

कौशल के भूपती कुटिया मे सोये

कौशल के भूपाती कुटिया मे सोये।
देखे लखन जी तो जी भर के रोये।

लिखा जो मुकद्दर मे मिटाना है मुश्किल,
लिखा जो नहीं है तो पाना भी मुश्किल
कोई खो के पाए, कोई पा के खोये।

यहाँ ब्राम्ह को भी सहना पड़ा दुख,
फिर जीव को क्या कब दुख है कब सुख

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33627/title/Kaushal-ke-bhupati-kutiya-me-soye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |